



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

सुभात्तर पत्र का नाम
२१ नॅव ज०१७०

दिनांक
४.५.२५

पृष्ठ संख्या
३

कॉलम
७-८



एमओयू के दैरान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज व अन्य • जागरण

जासं • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अंतर्गत केंद्रीय भैंस अनुसंधान केन्द्र (सीआइआरबी) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। एमओयू का मुख्य उद्देश्य शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्रों को बढ़ावा देना है। इसके अन्तर्गत शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में विकसित नवीनतम तकनीक दोनों संस्थान शोधार्थियों और वैज्ञानिकों को उपलब्ध करवाएंगे। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज की उपस्थिति में केंद्रीय भैंस अनुसंधान केन्द्र से संस्थान निदेशक डा. यशपाल एवं विरचित वैज्ञानिक डा. संजय कुमार ने हस्ताक्षर किए जबकि हकृवि से मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डा. रमेश कुमार व कृषि महाविद्यालय के अधिकारी डा. एसके पाहुजा ने हस्ताक्षर किए। कुलपति प्रो.

काम्बोज ने बताया कि इस समझौते के तहत दोनों संस्थाओं के शोधार्थी और वैज्ञानिक मिलकर शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में विकसित की जाने वाली नवीनतम तकनीक हेतु शोध कार्यों को गति प्रदान कर सकेंगे। भैंस अनुसंधान संस्थान केन्द्र के शोधार्थी व वैज्ञानिक विश्वविद्यालय के विभिन्न कालेजों में एक साथ शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में मिलकर कार्य करेंगे, जिससे प्रदेश एवं देश के पशुपालकों को फायदा होगा। उन्होंने बताया कि हमें वर्तमान वैशिक रुझानों के संदर्भ में उभरती कृषि आवश्यकताओं का अध्ययन करना चाहिए। केंद्रीय भैंस अनुसंधान संस्थान के निदेशक डा. यशपाल ने बताया कि हकृवि के शोधार्थी और वैज्ञानिक संस्थान द्वारा भैंस पालन, प्रजनन पौष्ण, रोग प्रबंधन तथा जैव प्रौद्योगिकी सहित विभिन्न क्षेत्रों में किए जाने वाले अनुसंधान कार्यों में भाग ले सकेंगे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
	४.५.२५	५	६

दैनिक भारत

शिक्षा व अनुसंधान में शोध करेंगे हक्की-सीआईआरबी

हिसार | चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अंतर्गत केंद्रीय भैंस अनुसंधान केंद्र (सीआईआरबी) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।

दरअसल, एमओयू का मुख्य उद्देश्य शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्रों को बढ़ावा देना है। दोनों शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में विकसित नवीनतम तकनीक दोनों संस्थान शोधार्थियों और वैज्ञानिकों को उपलब्ध करवाएंगे। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज की उपस्थिति में केंद्रीय भैंस अनुसंधान केंद्र से संस्थान निदेशक डॉ. यशपाल एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. संजय कुमार ने हस्ताक्षर किए जबकि हक्की की ओर से मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश कुमार व कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुंचा ने हस्ताक्षर किए। कुलपति प्रो. काम्बोज ने समझौता ज्ञापन की विस्तृत जानकारी दी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम

अजीत समाचार

दिनांक

४.५.२५

पृष्ठ संख्या

५

कॉलम

३-५

हक्कवि और सीआईआरबी ने समझौता ज्ञापन पर किए हस्ताक्षर शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में मिलकर करेंगे कार्य

• हिसार, ७ मई (विरोद्ध वर्ष): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अन्तर्गत केंद्रीय भैंस अनुसंधान केन्द्र (सीआईआरबी) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। एमओयू का मुख्य उद्देश्य शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्रों को बढ़ावा देना है। इसके अन्तर्गत शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में विकसित नवीनतम तकनीक दोनों संस्थान शोधार्थियों ओर वैज्ञानिकों को उपलब्ध करवाएंगे। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज की उपर्युक्त दो दोस्तों के द्वारा एक समझौता ज्ञापन दोनों संस्थानों के उपलब्ध करवाएंगे। कुलपति प्रो. काम्बोज ने समझौता ज्ञापन की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि इस समझौते के तहत दोनों संस्थाओं के शोधार्थी और वैज्ञानिक मिलकर शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में विकसित की जाने वाली नवीनतम तकनीक हेतु शोध कार्यों को गति प्रदान कर सकेंगे।

केंद्रीय भैंस अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. यशपाल ने बताया कि हक्कवि के शोधार्थी और वैज्ञानिक संस्थान द्वारा भैंस पालन, प्रजनन पोषण, रोग प्रबंधन तथा जैव प्रौद्योगिकी सहित विभिन्न क्षेत्रों में किए जाने वाले अनुसंधान कार्यों में भाग ले सकेंगे। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अनुल ढींगड़ा, अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग, स्नातकोत्तर शिक्षा अधिष्ठाता डॉ. डॉ. केडी शर्मा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, आईपीआर सैल के प्रभारी डॉ. योगेश जिंदल, डॉ. रेणू मुंजाल, डॉ. जितेंद्र भाटिया, डॉ. अनुराग तथा केंद्रीय भैंस अनुसंधान केन्द्र के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. नवनीत सक्सेना व रिसर्च एसोसिएट अर्पित तनेजा उपस्थित रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम
पंजाब ५ सरी

दिनांक
४.५.२५

पृष्ठ संख्या
५

कॉलम
२-४

हकूमि और सी.आई.आर.बी. ने समझौता ज्ञापन पर किए हस्ताक्षर



एमओयू के दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज व अन्य।

शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में मिलकर करेंगे कार्य

हिसार, ७ मई (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अंतर्गत केंद्रीय भैंस अनुसंधान केन्द्र के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। एमओयू का मुख्य उद्देश्य शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्रों को बढ़ावा देना है। इसके अन्तर्गत शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में विकसित नवीनतम तकनीक

दोनों संस्थान शोधार्थियों और वैज्ञानिकों को उपलब्ध कराएंगे।

कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज की उपस्थिति में केंद्रीय भैंस अनुसंधान केन्द्र से संस्थान निदेशक डॉ. यशपाल एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. संजय कुमार ने हस्ताक्षर किए जबकि हकूमि से मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश कुमार व कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा ने हस्ताक्षर किए।

कुलपति प्रो. काम्बोज ने समझौता ज्ञापन की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि

इस समझौते के तहत दोनों संस्थाओं के शोधार्थी और वैज्ञानिक मिलकर शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में विकसित की जाने वाली नवीनतम तकनीक हेतु शोध कार्यों को गति प्रदान कर सकेंगे। भैंस अनुसंधान संस्थान केन्द्र के शोधार्थी व वैज्ञानिक विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेजों में एक साथ शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में मिलकर कार्य करेंगे, जिससे प्रदेश एवं देश के पशुपालकों को फायदा होगा। जात रहे कि हकूमि के सायना नेहवाल प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान से प्रशिक्षण संबंधी समझौता सीआईआरबी से पहले से है।

केंद्रीय भैंस अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. यशपाल ने बताया कि हकूमि के शोधार्थी और वैज्ञानिक संस्थान द्वारा भैंस पालन, प्रजनन पोषण, रोग प्रबंधन तथा जैव प्रौद्योगिकी सहित विभिन्न क्षेत्रों में किए जाने वाले अनुसंधान कार्यों में भाग ले सकेंगे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम
~~दैरिया~~ • भौम

दिनांक
४-५-२५

पृष्ठ संख्या
11

कॉलम
1-५

एचएयू व केन्द्रीय भैंस अनुसंधान केन्द्र के बीच समझौते पर हस्ताक्षर

हरियाणा व्यूज || हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के तहत केन्द्रीय भैंस अनुसंधान केन्द्र (सीआईआरबी) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। एमओयू का मुख्य उद्देश्य शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्रों को बढ़ावा देना है। इसके तहत शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में विकसित नवीनतम तकनीक दोनों संस्थान शोधार्थी और वैज्ञानिकों को उपलब्ध करवाएंगे। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज व अन्य

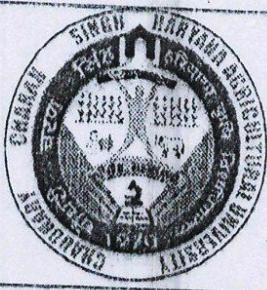


हिसार। एमओयू के दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज व अन्य केन्द्रीय भैंस अनुसंधान केन्द्र से संस्थान निदेशक डॉ. यशपाल एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. संजय कुमार ने हस्ताक्षर किए। जबकि हकृवि से रमेश कुमार व कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा ने हस्ताक्षर किए। कुलपति प्रो. काम्बोज ने समझौता ज्ञापन की मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ.

रमेश कुमार व कृषि महाविद्यालय के पशुपालकों को फायदा होगा। केन्द्रीय भैंस अनुसंधान संस्थान के निदेशक

डॉ. यशपाल ने बताया कि हकृवि के शोधार्थी और वैज्ञानिक मिलकर शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में विकसित की जाने वाली नवीनतम तकनीक के लिए शोध कार्यों को गति प्रदान कर सकेंगे। भैंस अनुसंधान संस्थान केन्द्र के शोधार्थी व वैज्ञानिक विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेजों में एक साथ शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में मिलकर कार्य करेंगे, जिससे प्रदेश एवं देश के जानकारी देते हुए बताया कि इस

डॉ. यशपाल ने बताया कि हकृवि के शोधार्थी और वैज्ञानिक संस्थान द्वारा भैंस पालन, प्रजनन पोषण, रोग प्रबंधन तथा जैव प्रौद्योगिकी सहित विभिन्न क्षेत्रों में किए जाने वाले अनुसंधान कार्यों में भाग ले सकेंगे। इस अवसर पर ओएसडी डॉ अतुल ढींगड़ा, अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग, स्नातकोत्तर शिक्षा अधिष्ठाता डॉ. डॉ. केडी शर्मा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, आईपीआर सैल के प्रभारी डॉ. योगेश जिंदल, डॉ. रेणू मुंजाल आदि रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम
अभूतजाल

दिनांक

४.५.२५

पृष्ठ संख्या

५

कॉलम

७-४

एचएयू और सीआईआरबी मिलकर करेंगे शोध

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अंतर्गत केंद्रीय भैंस अनुसंधान केंद्र (सीआईआरबी) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। एमओयू का मुख्य उद्देश्य शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्रों को बढ़ावा देना है। इसके तहत शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में विकसित नवीनतम तकनीक दोनों संस्थान शोधार्थीयों ओर वैज्ञानिकों को उपलब्ध करवाएंगे। कुलपति प्रो. बीआर कांबोज की उपस्थिति में सीआईआरबी से संस्थान निदेशक डॉ. यशपाल एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. संजय कुमार ने हस्ताक्षर किए जबकि एचएयू से मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश कुमार व कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा ने हस्ताक्षर किए। कुलपति ने बताया कि इस समझौते के तहत दोनों संस्थाओं के शोधार्थी और वैज्ञानिक मिलकर शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में विकसित की जाने वाली नवीनतम तकनीक के लिए शोध कार्यों को गति प्रदान कर सकेंगे। भैंस अनुसंधान संस्थान केंद्र के शोधार्थी व वैज्ञानिक विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेजों में एक साथ शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में मिलकर कार्य करेंगे। संवाद



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठकपक्ष	07.05.2025	--	--

हकृति और केंद्रीय भैंस अनुसंधान केन्द्र ने समझौता ज्ञापन पर किए हस्ताक्षर

शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में मिलकर करेंगे कार्य

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अंतर्गत केंद्रीय भैंस अनुसंधान केन्द्र (सीआईआरबी) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। एमओयू का मुख्य उद्देश्य शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्रों को बढ़ावा देना है। इसके अन्तर्गत शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में विकसित नवीनतम तकनीक दोनों संस्थान शोधार्थियों और वैज्ञानिकों को उपलब्ध करवाएंगे। कुलपति प्रो. डॉ. आर. कांवोज की उपस्थिति में केंद्रीय भैंस अनुसंधान केन्द्र से संस्थान निदेशक डॉ. यशपाल एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. संजय कुमार ने हस्ताक्षर किए। जबकि हकृति से मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश कुमार व कृषि महाविद्यालय के अधिकारी डॉ. एस.क. पाहुजा ने हस्ताक्षर किए।



केंद्रीय भैंस अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. यशपाल ने बताया कि हकृति के शोधार्थी और वैज्ञानिक संस्थान द्वारा भैंस पालन, प्रजनन पोषण, रोग प्रबंधन तथा जैव प्रौद्योगिकी सहित विभिन्न क्षेत्रों में किए जाने वाले अनुसंधान कार्यों में भाग ले सकेंगे। कुलपति प्रो. कांवोज ने समझौता ज्ञापन की जानकारी देते हुए बताया कि इस समझौते के तहत दोनों संस्थाओं के

शोधार्थी और वैज्ञानिक मिलकर शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में विकसित की जाने वाली नवीनतम तकनीक हेतु शोध कार्यों को गति प्रदान कर सकेंगे। भैंस अनुसंधान संस्थान केन्द्र के शोधार्थी व वैज्ञानिक विश्वविद्यालय के विभिन्न कालेजों में एक साथ शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में मिलकर कार्य करेंगे, जिससे प्रदेश एवं देश के पशुपालकों को फायदा होगा।

इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अमृत ढींगड़ा, अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गण, स्नातकोत्तर शिक्षा अधिष्ठाता डॉ. डॉ. केडी शर्मा, मैडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, आईपीआर सैल के प्रभारी डॉ. योगेश जिंदल, डॉ. रेणू मुजाल, डॉ. जितेंद्र भाटिया, डॉ. अनुराग तथा केंद्रीय भैंस अनुसंधान केन्द्र के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. नवनीत सक्सेना व रिसर्च एसोसिएट अर्पित तनेजा उपस्थित रहे।



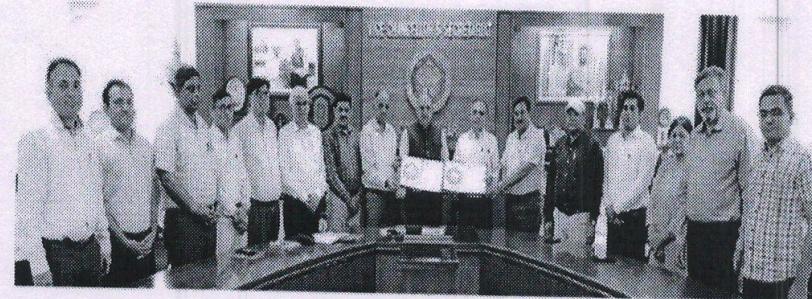
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	07.05.2025	--	--

हक्किं और सीआईआरबी ने समझौता ज्ञापन पर किए हस्ताक्षर, शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में मिलकर करेंगे कार्य

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 7 मई : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अंतर्गत केंद्रीय भैंस अनुसंधान केन्द्र (सीआईआरबी) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। एमओयू का मुख्य उद्देश्य शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्रों को बढ़ावा देना है। इसके अन्तर्गत शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में विकसित नवीनतम तकनीक दोनों संस्थान शोधार्थियों और वैज्ञानिकों को उपलब्ध करवाएंगे। कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज की उपस्थिति में केंद्रीय भैंस अनुसंधान केन्द्र से संस्थान निदेशक डॉ. यशपाल एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. संजय कुमार ने हस्ताक्षर किए जबकि हक्किं से मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश कुमार व कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा ने हस्ताक्षर किए।



कुलपति प्रो. काम्बोज ने समझौता ज्ञापन की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि इस समझौते के तहत दोनों संस्थाओं के शोधार्थी और वैज्ञानिक मिलकर शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में विकसित की जाने वाली नवीनतम तकनीक हेतु शोध कार्यों को गति प्रदान कर सकेंगे। भैंस अनुसंधान संस्थान केन्द्र के शोधार्थी व वैज्ञानिक विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेजों में एक साथ शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में मिलकर कार्य करेंगे, जिससे प्रदेश एवं देश के पशुपालकों को फायदा होगा। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय ने देश के भीतर और बाहर प्रतिष्ठित शैक्षणिक अनुसंधान संस्थानों के साथ सहयोग की प्रक्रिया निरंतर जारी है ताकि इसकी अनुसंधान और प्रशिक्षण गतिविधियों को बढ़ावा मिल सके तथा समझौतों के तहत हम आपसी हित के क्षेत्रों की पहचान करके भविष्य में आगे बढ़ सकें। उन्होंने बताया कि हमें वर्तमान वैश्वीक रुज्जानों के संदर्भ में उभरती कृषि आवश्यकताओं का अध्ययन करना चाहिए। उन्होंने भारतीय कृषि की विविधताओं से उत्कर्ष चुनौतियों तथा उनके समाधान के लिए

सुनियोजित एकीकृत दृष्टिकोण की आवश्यकता पर भी बल दिया। ज्ञात रहे कि हक्किं के साथना नेहवाल प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान से प्रशिक्षण संबंधी समझौता सीआईआरबी से पहले से है।

केंद्रीय भैंस अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. यशपाल ने बताया कि हक्किं के शोधार्थी और वैज्ञानिक संस्थान द्वारा भैंस पालन, प्रजनन पोषण, रोग प्रबंधन तथा जैव प्रौद्योगिकी सहित विभिन्न क्षेत्रों में किए जाने वाले अनुसंधान कार्यों में भाग ले सकेंगे। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल दीग्डा, अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग, स्नातकोत्तर शिक्षा अधिष्ठाता डॉ. डॉ. कंडी शर्मा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, आईपीआर सैल के प्रभारी डॉ. योगेश जिंदल, डॉ. रेणु मंजाल, डॉ. जितेंद्र भाटिया, डॉ. अनुराग तथा केंद्रीय भैंस अनुसंधान केन्द्र के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. नवनीत सक्सेना व रिसर्च एसोसिएट अर्पित तमेजा उपस्थित रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमृतधारा	07.05.2025	--	--

हकूमि और सी मजबूतबी ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

Page 2 of 2

चीधरी चाप मिल होताहा कूप
पिण्डविद्यालय ने भारतीय कृषि
अनुसंधान गवर्नर के अधीक्षण कीदृष्ट
वकाली अनुसंधान केंद्र (सी.
आई.डी.एस)लाई का सुख देखव
रिश्वा और अनुसंधान के लिए भी
बढ़ावा देना है। इसके लिए विद्या
और अनुसंधान के होते ही विकास
तथा समाज व व्यावाह देने के सम्बन्ध
शास्त्रीयों और समाज को उत्तम
कराएगे। मूल प्रे. चे. आर. कम्बोज
को उपर्युक्त कन्फ्रेंस विद्यालय दिसंव
मेंटर में संस्थान के नियामक दी.
क्षायाल एवं पृष्ठ वैज्ञानिक द्वा.
हक्की से मानव विज्ञान प्रबन्धन के
नियामक द्वा. यज्ञव कुमार ने
हमारा दिया। उमेश कुमार व कृषि
महाविद्यालय के अधिकारी द्वा.
एम.के. पाठ्याला ने हमारा दिया।
मूल प्रे. कंवोल ने समझौते को
पिण्डव जावाहार एवं हुए ज्ञाय
कि इस सूची के अधीक्षण दो समन्वे



के सांख्यिकी और वैज्ञानिक सम्बन्धिता और अनुपसंधान के द्वेष में विकासशाली रूप से जनने वाली वैज्ञानिक प्रौद्योगिकी विकास अनुपसंधान को गोल प्रदान की जा सकती है। वैज्ञानिक अनुपसंधान संस्थान केंद्र के सांख्यिकी और वैज्ञानिक विस्तरितव्यालय के विभिन्न वर्गों में एक साध शिक्षा और अनुपसंधान के द्वेष में सामृद्धिक कार्य होगी, जिसमें प्रदेश और देश के पश्चात्याकास्तों को साध होगा। उन्हाँने बताया कि विस्तरितव्यालय ने देश के अंदर और बाहर प्रशिक्षण अव्याप्त अनुपसंधान

अधिकार के साथ-साथ बहायेगा जो प्रतिक्षिया भी रखी है ताकि अनुसंधान और प्रशिक्षण का चढ़ाव निल सके और मन्मानित करने के लिए हम यांत्रिक तिव्य के लिए जो पहचान कर भविष्य में अद्द थे। उक्तीने यतापा कि हम अधिकार विविध प्रयुक्तियों के सहर्दर्श में उभयनी कृषि आवश्यकताओं का अधिकार करता चाहिए। उन्होंने यांत्रिक कृषि की विविधताओं से उत्पन्न इलाक और उनके सम्बन्धों के लिए जारीकर्ता हीकरण की आवश्यकता नह भी बता दिया। इस

इसे कि लक्षण के साथ सार्वजनिक प्रशंसन एवं शिक्षा परिषद् द्वारा प्रशंसनी संबंधी सरकारी गोपनीय घोषणा हो चुकी है।

फेद्राय जर्सेला अनुमधान वार्षिक के निर्देशक हैं। यहांपाल ने बताया कि कृषि विभाग के अनुसंधनकर्ता और वैज्ञानिक संभान अकेली पालन अब योग्य नहीं हैं। इस विभान और जैव प्रौद्योगिकी महिने विभिन्न देशों ने जाने वाले शोध कार्यों के भाग से सकते हैं। इस अवसर पर डॉ. अमृत छोटापाल, अनुमधान निर्देशक हैं। यहांपाल मर्म, विश्वविद्यालय लिखा अनिवार्य है। डॉ. कद्दी शर्मा, मौद्रिक एवं फॉलोवर डॉ. वंदीप अर्जन, अधिर्णीआर सेल के प्रधारी हैं। योगेन तिक्का, डॉ. रमेश भट्ट, डॉ. स्कॉर्ट बैंगा, डॉ. अमृता और चलेली रियर्स सेट के प्रमुख वैज्ञानिक हैं। नवनीत सवसेना व एसोसिएट एसोसिएट नियुक्त हुए हैं। उपर्युक्त रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
जगमार्ग न्यूज	07.05.2025	--	--

हक्की और सीआईआरबी ने समझौता ज्ञापन पर किए हस्ताक्षर

⇒ शिक्षा और अनुसंधान के बीच में मिलकर करेंगे कार्य

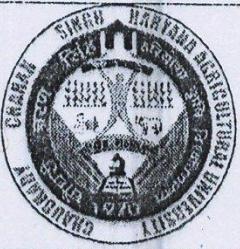
जगमार्ग न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने भालीय कृषि अनुसंधान परिषद के अंतर्गत केंद्रीय पैस अनुसंधान केंद्र (सीआईआरबी) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओए) पर हस्ताक्षर किए हैं। एमओए का मुख्य उद्देश्य शिक्षा और अनुसंधान के संबंधों को बढ़ावा देना है।

इसके अन्तर्गत शिक्षा और अनुसंधान के बीच में विकसित नवीनतम तकनीक दोनों संस्थान शोधार्थियों और वैज्ञानिकों को उपलब्ध कराना है। कुलपति प्रौ. बी. आर. काम्बोज वैज्ञानिक संस्थान के अधिकारी ने कृषि विश्वविद्यालय के विभिन्न कालिंगों में एक साध शिक्षा और अनुसंधान के बीच में मिलकर कार्य करें, जिससे प्रदेश एवं देश के पश्चातकों को फायदा होगा। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय ने देश के भीतर और



संसाधन प्रबंधन निदेशक द्वां, योगी कुमार व कृषि महाविद्यालय के अध्यक्ष द्वां एम.वे. पाहुजा ने हस्ताक्षर किए कुलपति प्रौ. काम्बोज ने समझौता ज्ञापन की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि इस समझौते के तहत दोनों संस्थानों के शोधार्थी और वैज्ञानिक मिलकर शिक्षा और अनुसंधान के बीच में विकसित की जाने वाली नवीनतम तकनीक होते होते कार्यों को गति प्रदान कर सकेंगे। पैस अनुसंधान संस्थान केंद्र के शोधार्थी व वैज्ञानिक विश्वविद्यालय के विभिन्न कालिंगों में एक साध शिक्षा और अनुसंधान के बीच में मिलकर कार्य करें, जिससे प्रदेश एवं देश के पश्चातकों को फायदा होगा। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय ने देश के भीतर और सीआईआरबी से पहले से है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
टीन के भाई	८.५.२५	२	१-२

ब्लैकआउट अभ्यास केवल व्यक्तिगत नहीं, राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए जरूरी : प्रो. काम्बोज

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने मंगलवार को ऑनलाइन बैठक में विश्वविद्यालय परिसर में ब्लैकआउट से जुड़ी तैयारियों की समीक्षा की। इसमें सभी कॉलेजों के अधिष्ठाता, निदेशक और अधिकारी शामिल हुए। कुलपति ने कहा कि ब्लैकआउट अभ्यास केवल व्यक्तिगत या परिवारिक सुरक्षा के लिए नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और जनजागरूकता के लिए जरूरी है। उन्होंने सभी शिक्षकों, कर्मचारियों और छात्रों को जिला प्रशासन और अन्य एजेंसियों के निर्देशों का पालन करने के निर्देश दिए।

कुलपति ने सुझाव दिया कि एनसीसी और एनएसएस से जुड़े छात्र स्वयंसेवकों को जागरूकता फैलाने और ब्लैकआउट के दौरान प्रशासन की मदद के लिए तैनात किया जाए। इसके लिए इन छात्रों ने महाबीर स्टेडियम में आयोजित अभ्यास सत्र में भाग भी लिया। कुलपति ने विवि परिसर में व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए कुलसचिव और अन्य अधिकारियों से फीडबैक लिया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
	८-५-२५	५	७-४

दैनिक भास्कर

ज्यादा तापमान होने पर बालू मिट्टी में नहीं करनी चाहिए कपास की बिजाई

शुरुआती अवस्था में जहरीले कीटनाशकों का प्रयोग न करें

एकसप्ट व्यू

डॉ. करमल सिंह मलिक

अध्यक्ष, कपास अनुभाग,
एचएसू, हिसार



प्रदेश में कपास की बिजाई चल रही है। देसी कपास की बिजाई बालू मिट्टी में ज्यादा गर्मी में न करें, क्योंकि तापमान अधिक होने से कपास के जलने की संभावनाएं अधिक हैं। बीज का चुनाव किसान के पास संसाधन, उसकी जपीन व उपलब्ध यानी के आधार पर करें। बीटी कपास सिर्फ बीटी 11 ही उपलब्ध है। बीटी 3 व 4 आदि अगर कोई देता है तो वह सही नहीं है। मिट्टी के अनुरूप बीज का इस्तेमाल करें। जैसे बालू मिट्टी के लिए यूएस 51, राशि 946, टाटा दिग्गज व सामान्य मिट्टी के लिए टाटा दिग्गज, अंकुर 555, अजीत 177-2, 945-2 व अन्य सिफारिश की गई किसी को ही बीज लें। शुरुआत में ज्यादा जहरीले कीटनाशकों का प्रयोग न करें। अधिक जानकारी एचएसू की वेबसाइट www.hau.ac.in पर किसान पोर्टल पर दी गई है। अपने नजदीकी कृषि विभाग के दफ्तर पर भी पता कर सकते हैं।

गुलाबी सुंडी से बचने के लिए खेत से पुरानी लकड़ियां नष्ट कर दें

गुलाबी सुंडी कम करने के लिए खेत से पिछले साल की नरमा की लकड़ियों के टिंडे एवं पत्तों को नष्ट कर दें। इन लकड़ियों में गुलाबी सुंडी रहती है। गुलाबी सुंडी के प्रति बीटी कपास का प्रतिरोधक बीज उपलब्ध नहीं है, इसलिए 3 जी, 4 जी और 5 जी के नाम से आने वाले बीजों से सावधान रहें।

बिजाई से पहले पलेवा करें

बिजाई के लिए गहरी पलेवा करें। अगर मशीन से बिजाई करें तो दो पैकेट प्रति एकड़ व अगर खत्तों पर बीजें तो एक पैकेट प्रति एकड़ पर्याप्त है। खुड़ से खुड़ की दूरी 1 मीटर व पैथे से पैथे की दूरी 45 सेंटीमीटर रखें। एक बैग डीपी, एक बैग यूरिया, 15-20 किलो एमओपी व 10 किलो जिंक सल्फेट 2 प्रतिशत प्रति एकड़ डालकर खेत को तैयार कर बिजाई करें। खरपतवार की रोकथाम के लिए 1.5 लीटर पैथीमेथालीन का छिड़काव बिजाई के 1 दिन के अंदर करें।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	07.05.2025	--	--

करार : हकूमि और भैंस अनुसंधान केन्द्र मिलकर करेंगे शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में कार्य

नभ-छोर न्यूज || 07-मई

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अंतर्गत केंद्रीय भैंस अनुसंधान केन्द्र (सीआईआरबी) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। एमओयू का मुख्य उद्देश्य शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्रों को बढ़ावा देना है। इसके अन्तर्गत शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में विकसित नवीनतम तकनीक दोनों संस्थान शोधार्थियों ओर वैज्ञानिकों को उपलब्ध करवाएंगे। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज की उपस्थिति में केंद्रीय भैंस अनुसंधान केन्द्र से संस्थान निदेशक डॉ. यशपाल एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. संजय कुमार ने हस्ताक्षर किए। जबकि हकूमि से मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश कुमार व कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा ने हस्ताक्षर किए। कुलपति प्रो. काम्बोज ने समझौता ज्ञापन की विस्तृत जानकारी देते हुए



बताया कि इस समझौते के तहत दोनों संस्थाओं के शोधार्थी और वैज्ञानिक मिलकर शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में विकसित की जाने वाली नवीनतम तकनीक हेतु शोध कार्यों को गति प्रदान कर सकेंगे। भैंस अनुसंधान संस्थान केन्द्र के शोधार्थी व वैज्ञानिक विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेजों में एक साथ शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में मिलकर कार्य करेंगे, जिससे प्रदेश एवं देश के पशुपालकों को फायदा होगा। केंद्रीय भैंस अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. यशपाल ने बताया कि हकूमि के शोधार्थी और वैज्ञानिक संस्थान द्वारा

भैंस पालन, प्रजनन पोषण, रोग प्रबंधन तथा जैव प्रौद्योगिकी सहित विभिन्न क्षेत्रों में किए जाने वाले अनुसंधान कार्यों में भाग ले सकेंगे। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग, स्नातकोत्तर शिक्षा अधिष्ठाता डॉ. डॉ. केडी शर्मा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, आईपीआर सैल के प्रभारी डॉ. योगेश जिंदल, डॉ. रेणू मुजाल, डॉ. जितेंद्र भाटिया, डॉ. अनुराग तथा केंद्रीय भैंस अनुसंधान केन्द्र के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. नवनीत सक्सेना व रिसर्च एसोसिएट अर्पित तनेजा उपस्थित रहे।

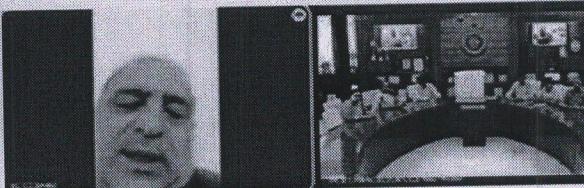


चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	07.05.2025	--	--

हकूमिये के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने विश्वविद्यालय परिसर में ब्लैकआउट व हर परिस्थिति से निपटने के लिए दिशा निर्देश दिए

हिसार (समस्त हरियाणा न्यूज)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा



कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने एक ऑनलाइन बैठक के माध्यम से विश्वविद्यालय द्वारा ब्लैकआउट के संदर्भ में की गई व्यवस्थाओं की समीक्षा की। बैठक में विश्वविद्यालय के अंतर्गत आने वाले महाविद्यालयों के अधिकारी, निदेशक और अधिकारी उपस्थित रहे। उन्होंने विश्वविद्यालय के समस्त शिक्षकगण, कर्मचारी और छात्रों को जिला प्रशासन तथा अन्य संबंधित एजेंसियों के दिशा-निर्देशों की पूरी तरह से पालन सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के अभ्यास के बीच व्यक्तिगत या पारिवारिक सुरक्षा के लिए ही नहीं बल्कि पूरे राष्ट्र की सुरक्षा और जागरूकता के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कर्मचारियों और डाक्टरेशनों को भी प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों को पालना के लिए प्रेरित किया। कुलपति ने कहा कि जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ-साथ विश्वविद्यालय के अधिकारी हिसार में तैनात सेना के अधिकारियों के साथ भी समन्वय बनाए रखें। उन्होंने सुझाव दिया की एनसीसी और एनएसएस से जुड़े छात्र स्वरूपसेवकों को जागरूकता फैलाने तथा ब्लैकआउट के दौरान प्रशासन की सहायता हेतु तैनात किया जाए। इसके लिए एनसीसी व एनएसएस के छात्रों ने महावीर स्टेडियम हिसार में आयोजित अभ्यास सत्र में भी भाग लिया है। उन्होंने यह भी कहा कि इस प्रकार के अभ्यास निरंतर होते रहने चाहिए और सभी को प्रशासन के निर्देशों का पूरी तरह से पालन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि युद्ध के समय आम जनता को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने से लेकर जरूरी वस्तुओं की आपूर्ति सुचारू रखने में सिविल डिफेंस को भी अहम भूमिका होती है। कुलपति ने विश्वविद्यालय परिसर में की गई व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए कुलसचिव डॉ. पवन कुमार व अन्य अधिकारियों से फोड़बैक प्राप्त किया। कुलसचिव ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा सभी आवश्यक प्रबंध किए गए हैं जिसमें लाइडस्पीकर के माध्यम से जागरूकता फैलाना और अधिकारी, निदेशक विभाग अध्यक्षों द्वारा अपने अधीनस्थ कर्मचारियों को निर्देशित करना शामिल है। बैठक में बताया गया कि ब्लैकआउट के दौरान परिसर की सभी लाइड्स बंद कर दी जाएंगी और विश्वविद्यालय के सभी गेट बंद कर दिए जाएंगे। अगर गाड़ी चला रहे हैं तो अपने चालन को किनारे पर पार्क करके लाइट बंद कर दें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम

चिराग टाइम्स

दिनांक

07.05.2025

पृष्ठ संख्या

--

कॉलम

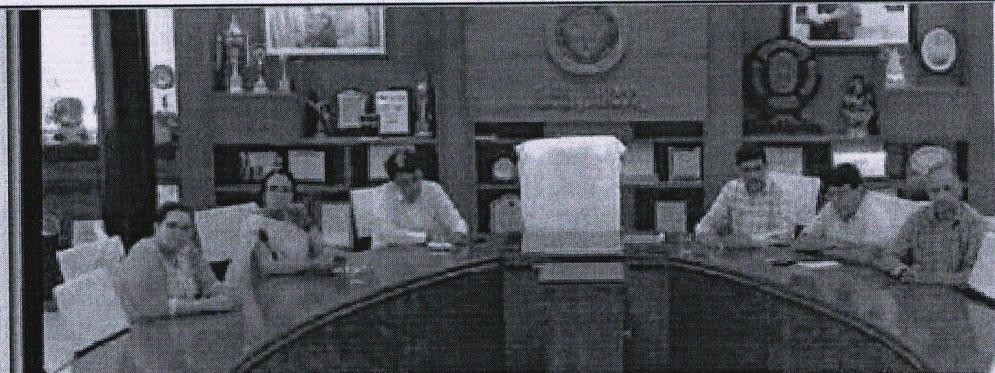
--

हक्कवि के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने विश्वविद्यालय परिसर में ब्लैकआउट व हर परिस्थिति से निपटने के लिए दिशा निर्देश दिए

चिराग टाइम्स न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने एक ऑनलाइन बैठक के माध्यम से विश्वविद्यालय द्वारा ब्लैक आउट के संदर्भ में की गई व्यवस्थाओं की समीक्षा की। बैठक में विश्वविद्यालय के अंतर्गत आने वाले महाविद्यालयों के अधिकारी, निदेशक और अधिकारी उपस्थित रहे। उन्होंने विश्वविद्यालय के समस्त शिक्षकगण, कर्मचारी और छात्रों को जिला प्रशासन तथा अन्य संबंधित एजेंसियों के दिशा-निर्देशों की पूरी तरह से पालन सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के अभ्यास के बल व्यक्तिगत या पारिवारिक सुरक्षा के लिए ही नहीं बल्कि पूरे राष्ट्र की सुरक्षा और जागरूकता के लिए महत्वपूर्ण है।

उन्होंने कर्मचारियों और उनके परिजनों को भी प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों की पालना के लिए



प्रेरित किया।

कुलपति ने कहा कि जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ-साथ विश्वविद्यालय के अधिकारी हिसार में तैनात सेना के अधिकारियों के साथ भी समन्वय बनाए रखें। उन्होंने सुझाव दिया कि एनसीसी और एनएसएस से जुड़े छात्र स्वयंसेवकों को जागरूकता फैलाने तथा ब्लैकआउट के दौरान प्रशासन की सहायता हेतु तैनात किया जाए। इसके लिए एनसीसी व एनएसएस के छात्रों ने महावीर स्टेडियम हिसार में आयोजित अभ्यास सत्र में भी भाग लिया है।

उन्होंने यह भी कहा कि इस प्रकार के अभ्यास निरंतर होते रहने चाहिए और सभी को प्रशासन के निर्देशों का पूरी तरह से पालन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सुध के समय आप जनता को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने से लेकर जलवी वस्तुओं की आपूर्ति सुचारू रखने में सिविल डिफेंस को भी अहम भूमिका होती है।

कुलपति ने विश्वविद्यालय परिसर में की गई व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए कुलसचिव द्वा पर एक कुमार व अन्य अधिकारियों से फोल्डेक प्राप्त किया। कुलसचिव

ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा सभी आवश्यक प्रबंध किए गए हैं जिसमें लाइटिंग के माध्यम से जागरूकता फैलाना और अधिकारी, निदेशक विभाग अधिकारी द्वारा अपने अधीनस्थ कर्मचारियों को निर्देशित करना शामिल है।

बैठक में बताया गया कि ब्लैकआउट के दौरान परिसर की सभी लाइटें बंद कर दी जाएंगी और विश्वविद्यालय के सभी गेट बंद कर दिए जाएंगे। अगर गाड़ी चला रहे हैं तो अपने वाहन को किनारे पर पार्क करके लाइट बंद कर दें।